पाठ-2

पिंजरे का शेर

पुराने समय की बात है। तब भारत अनेक राज्यों में बंटा हुआ था। इन्हीं राज्यों में मगध राज्य सबसे शक्तिशाली समझा जाता था। वहाँ के राजा का नाम महापद्म नन्द था।

एक दिन राजसभा लगी हुई थी। वातावरण विचित्र था। एक ओर कुछ व्यक्ति अलग खड़े थे। वे रोम देश के दूत थे। सभा भवन के बीचोंबीच एक पिंजरा रखा हुआ था। जिसमें किसी धातु का बना हुआ एक शेर बन्द था। राजसभा में बैठे सभी लोग पिंजरे की ओर देख रहे थे।

थोड़ी देर बाद सम्राट महापद्म नन्द राजसभा में पधारे। उनके आते ही सारी सभा में चुप्पी छा गई। महामन्त्री शकटार का संकेत पाकर विदेशी दूत ने आगे बढ़कर अपने राजा की ओर से लाए बहुमूल्य उपहार सम्राट को भेंट किये।

राजदूत ने कहा, ''महाराज! हमारे सम्राट ने एक उपहार और भी आपके लिए भेजा है।''

उसने लोहे के पिंजरे की ओर संकेत करते हुए कहा, ''वह है शेर। हमने इस शेर को बन्दी तो बना लिया है, पर कुछ बन्धनों के कारण हम न पिंजरा खोल सकते हैं और न ही काट सकते हैं। पिंजरे को खोले या तोड़े बग़ैर ही शेर को पिंजरे से बाहर निकालना है। ऐसा तो मगध के सम्राट के प्रताप से ही सम्भव है।''

यह सुनते ही सम्राट ने मुस्करा कर पहले पिंजरे की ओर देखा और फिर महामन्त्री की ओर। सम्राट का संकेत पाकर महामन्त्री ने राजसभा में यह घोषणा की, ''सभा में बैठे सभी व्यक्ति इस पिंजरे को देखें और बिना पिंजरा खोले या तोड़े शेर को बाहर निकालें।''

Anwar Husain GMS Kharora Fatehganj Sahib

सभा में बैठे बहुत से व्यक्ति तो पहले ही उस पिंजरे को देख चुके थे। अन्य लोगों ने भी आगे बढ़कर पिंजरे का निरीक्षण किया। फिर सभी व्यक्ति अपने-अपने स्थान पर बैठ गए। सभा में बहुत देर तक फुसफुसाहट चलती रही, पर कोई भी व्यक्ति इस कार्य के लिए नहीं उठा।

''शेर को कौन बाहर निकाल सकता है?'' सहसा सम्राट ने गुस्से में कहा।

सभा में फिर कुछ हलचल हुई। सभी लोग एक दूसरे की ओर देख रहे थे। सभी की आँखें लज्जा के कारण झुकी हुई थीं। सम्राट फिर गरज उठे, ''मगध की बुद्धि को क्या हो गया है? महापद्म नन्द की राजसभा में क्या ऐसा एक भी ज्ञानी नहीं जो शेर को बाहर निकाल सके?''

''सम्राट की जय हो।''

सम्राट और राजसभा में बैठे सभी व्यक्तियों की दृष्टि सम्राट की जय बोलने वाले पन्द्रह-सोलह वर्ष के किशोर पर टिक गई।

''मुझे आज्ञा दीजिए सम्राट।'' किशोर ने सिर झुकाकर कहा।

''आज्ञा है परन्तु यदि तुम असफल रहे तो तुम्हें मृत्यु-दण्ड दे दिया जाएगा,'' सम्राट ने घोषणा की।

उस किशोर के चेहरे पर इन कठोर शब्दों का कोई प्रभाव न हुआ। वह निडर होकर लम्बे-लम्बे डग भरता हुआ पिंजरे के पास गया। कुछ देर सोचने के बाद उसने कहा, ''पिंजरे को पानी में डुबो दिया जाए।''

महामन्त्री ने कुछ नौकरों को ऐसा करने का आदेश दिया। पिंजरे को पानी के बड़े टब में डुबो दिया गया। किशोर के कहने पर पिंजरे को फिर पानी से बाहर निकाल लिया गया। सभी लोग एकटक उस किशोर की ओर देख रहे थे। किन्तु वह किशोर बड़े ध्यान से उस पिंजरे में बन्दी शेर को देख रहा था।

उसकी निर्भीक दृष्टि में धीरे-धीरे विश्वास की चमक उभर आई। उसने सहसा आज्ञा दी, ''इस पिंजरे के चारों ओर आग जलाने का प्रबन्ध किया जाए।''

किशोर की आज्ञा पाते ही नौकरों ने पिंजरे के चारों ओर आग लगा दी।

सभा में सन्नाटा छा गया। सभी की साँसें रुक गईं। हर व्यक्ति एकटक पिंजरे की ओर देख रहा था। किशोर भी अपलक दृष्टि से उस शेर को घूर रहा था। सहसा उसने देखा कि शेर की मूर्ति के माथे पर धीरे-धीरे गीली-सी चमक उभरी और देखते ही देखते पिघली हुई चाँदी की-सी बूँदें धरती पर आ गिरीं।

किशोर ने मुस्कराते हुए कहा, ''वह देखिए, महामन्त्री।''

महामन्त्री ने भी उस ओर ध्यान से देखा। अब उनकी समझ में सब कुछ आ गया। वह समझ गए, शेर सीसा धातु का बना हुआ है, इसी कारण थोड़ी-सी गर्मी से ही पिघलने लगा है। लोहे का पिंजरा ज्यों का त्यों पड़ा था।

Anwar Husain GMS Kharora Fatehgarh sahib

देखते ही देखते पिंजरे का शेर पिघल कर धरती पर फैल गया। किशोर ने सम्राट के आगे सिर झुकाकर कहा, ''महाराज! शेर पिंजरे से बाहर आ गया है।''

सम्राट ने गर्व से दूत की ओर देखते हुए कहा, ''दूत! अपने राजा से कहना कि हमारे प्रताप के कारण शेर पिघल कर बाहर आ गया है।'' यह शेर केवल पिंजरे का शेर था। पिंजरे के बिना इसका कोई अस्तित्व नहीं। फिर महामन्त्री को आदेश दिया, ''इस किशोर को पुरस्कार दिया जाए।'' इतना कह कर सम्राट उठ कर चले गए। सभा में कोलाहल-सा मच गया।

यही किशोर बड़ा होकर चन्द्रगुप्त मौर्य के नाम से प्रसिद्ध हुआ। उसने उत्तरी भारत के सभी छोटे-छोटे राज्यों को एक सूत्र में पिरो दिया और एक सुदृढ़ साम्राज्य की नींव रखी।

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिन्दी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਫੁਸਫੁਸਾਹਟ	=	फुसफुसाहट	ਨੀਂਹ	=	नींव
ਸੂਤਰ	=	सूत्र	ਵਚਿੱਤਰ	=	विचित्र
ਸਾਮਰਾਜ	=	साम्राज्य	ਪੁਰਸਕਾਰ	=	पुरस्कार

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिन्दी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिन्दी शब्दों को लिखें :-

ਕੀਮਤੀ	=	बहुमूल्य	ਬਿਨਾਂ ਅੱਖ ਝਮਕੇ	=	अपलक
ਮੌਤ ਦੀ ਸਜ਼ਾ	=	मृत्युदण्ड	ਹੋਂਦ	=	अस्तित्व
ਕਦਮ	=	डग	ਸ਼ੋਰ	=	कोलाहल
ਨਿਡਰ	=	निर्भीक	ਨਿਰੀਖਣ	=	निरीक्षण
ਚੁਪਚਾਂ	=	सन्नाटा	ਮਜ਼ਬੂਤ	=	सुदृढ़

3. शब्दार्थ

दूत = हरकारा, एक जगह से दूसरी जगह चिट्ठी-पत्र, संदेश आदि पहुँचाने वाला

निरीक्षण = ग़ौर से देखना, मुआइना करना

फुसफुसाहट = बहुत धीमी आवाज़ में बोलना

सीसा = एक प्रसिद्ध मूल धातु जिसकी चादरें, गोलियाँ आदि बनती हैं।

4. उपयुक्त शब्द भरकर वाक्य पूरे करें :-

(क) ......मगध...... राज्य सबसे शक्तिशाली समझा जाता था।

(ख) पिंजरे को खोले या......तोड़े...... बग़ैर शेर को पिंजरे से बाहर निकालना है।

(ग) नौकरों ने पिंजरे के चारों ओर ......आग......लगा दी।

(घ) पिंजरे का शेर......पिघल......कर धरती पर फैल गया।

Anwar Husain GMS Kharora Fatehgarh sahib

अनवर हुसैन, हिन्दी शिक्षक, फतेहगढ़ साहिब।

5. **इन प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें :-**

(क) महापद्म नन्द के दरबार में किस देश के दूत आये थे?

(ख) रोम के राजदूत मगध के सम्राट के लिए क्या लाये?

(ग) सम्राट महापद्म नंद के मंत्री का क्या नाम था?

(घ) शेर किस धातु का बना हुआ था?

(ङ) शेर को पिंजरे से निकालने वाला किशोर बड़ा होकर किस नाम से प्रसिद्ध हुआ?

(च) पिंजरा किस धातु से बना था?

उत्तर:- महापद्म नन्द के दरबार में रोम देश के दूत आये थे।

उत्तर:-रोम के राजदूत मगध के सम्राट के लिए बहुत से उपहार और एक पिंजरे में बन्द शेर लाये।

उत्तर:-सम्राट महापद्म नन्द के मंत्री का नाम शकटार था।

उत्तर:-शेर सीसा धातु का बना था।

उत्तर:-शेर को पिंजरे से निकालने वाला किशोर बड़ा होकर चन्द्रगुप्त मौर्य के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

उत्तर:-पिंजरा लोहे का बना था।

7. **इन शब्दों के लिंग बदलें :-**

सम्राट	सम्राज्ञी	शेर	शेरनी
महाराज	महारानी	नौकर	नौकरानी
किशोर	किशोरी	राजा	रानी

8. **इन शब्दों के वचन बदलें :-**

पिंजरा	पिंजरे	सभा	सभाएँ
मूर्ति	मूर्तियाँ	यह	ये
बूँद	बूँदें	मन्दिर	मन्दिरों

9. **विपरीतार्थक शब्द लिखें :-**

पुराना	नया	अनेक	एक
असफल	सफल	धरती	आकाश

10. **शुद्ध करके लिखें :-**

शकतीशाली	________	बहूमूलय	________
घोषना	________	पुरसकार	________
सूदरिढ़	________	मरितयु	________

(पाठ में से ढूँढ कर अपने आप करो)

11. **उचित विराम चिह्न लगायें :-**

(क) किशोर ने मुस्कराते हुए कहा वह देखिए महामंत्री

(ख) शेर को कौन बाहर निकाल सकता है सहसा सम्राट ने गुस्से में कहा

(ग) किशोर ने सिर झुकाकर कहा महाराज शेर पिंजरे से बाहर आ गया है

(पाठ में से ढूँढ कर अपने आप करो)

Anwar Husain GMS Kharora Fatehgarh sahib

12. प्रत्येक शब्द के आगे लिखो, यह कौन-सी संज्ञा है ?

शब्द	संज्ञा	शब्द	संज्ञा
शेर	जातिवाचक संज्ञा	शकटार	व्यक्तिवाचक संज्ञा
लज्जा	भाववाचक संज्ञा	पिंजरा	जातिवाचक संज्ञा
गर्मी	भाववाचक संज्ञा	गुस्सा	भाववाचक संज्ञा
किशोर	जातिवाचक संज्ञा	दूत	जातिवाचक संज्ञा
पानी	जातिवाचक संज्ञा	मन्दिर	जातिवाचक संज्ञा

13. नीचे दी गई जातिवाचक संज्ञा से सम्बन्धित व्यक्तिवाचक संज्ञा लिखें :

राज्य (जातिवाचक संज्ञा)
- मगध
- पंजाब

राजा (जातिवाचक संज्ञा)
- राणा प्रताप
- चन्द्रगुप्त

लड़का (जातिवाचक संज्ञा)
- राजू
- मनोज

देश (जातिवाचक संज्ञा)
- भारत
- अमरीका

Anwar Husain GMS Kharora Fatehgarh sahib

अनवर हुसैन, हिन्दी शिक्षक, फतेहगढ़ साहिब।

कक्षा :- आठवीं,

विषय :- हिंदी (द्वितीय भाषा)

पाठ - 2 पिंजरे का शेर

1.नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिए गए शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें।

1	ਫੁਸਫੁਸਾਹਟ	फुसफुसाहट
2	ਸੂਤਰ	सूत्र
3	ਸਾਮਰਾਜ	साम्राज्य
4	ਨੀਂਹ	नींव
5	ਵਚਿੱਤਰ	विचित्र
6	ਪੁਰਸਕਾਰ	पुरस्कार

****

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें।

1	ਕੀਮਤੀ	बहुमूल्य	6	ਬਿਨ੍ਹ ਅੱਖ ਝਮਕੇ	अपलक
2	ਮੌਤ ਦੀ ਸਜ਼ਾ	मृत्युदंड	7	ਹੋਂਦ	अस्तित्व
3	ਕਦਮ	डग	8	ਸ਼ੋਰ	कोलाहल
4	ਨਿਡਰ	निर्भीक	9	ਨਿਰੀਖਣ	निरीक्षण
5	ਚੁਪਚਾਂ	सन्नाटा	10	ਮਜ਼ਬੂਤ	सुदृढ़

******

3. शब्दार्थ		
1	दूत	हरकारा, एक जगह से दूसरी जगह चिट्ठी-पत्र, संदेश आदि पहुँचाने वाला।
2	निरीक्षण	ग़ौर से देखना, मुआइना करना
3	फुसफुसाहट	बहुत धीमी आवाज़ में बोलना
4	सीसा	एक प्रसिद्ध मूल धातु जिसकी चादरें, गोलियाँ आदि बनती हैं।

****

3. उपयुक्त शब्द भरकर वाक्य पूरे करें :-

1. मगध राज्य सबसे शक्तिशाली समझा जाता था।

2. पिंजरे को खोले या तोड़े बगैर शेर को पिंजरे से बाहर निकालना है।

3. नौकरों ने पिंजरे को चारों ओर आग लगा दी।

4. पिंजरे का शेर पिघल कर धरती पर फैल गया।

****

5. एक-दो वाक्यों में प्रश्नों के उत्तर दें।

प्रश्न 1 :- महापद्म नंद के दरबार में किस देश के राजदूत आए थे ?

उत्तर :- महापद्म नंद के दरबार में रोम देश के राजदूत आए थे।

प्रश्न 2 :- रोम के राजदूत मगध के सम्राट के लिए क्या लाये ?

उत्तर :- रोम के राजदूत मगध के सम्राट के लिए पिंजरे में बन्द शेर उपहार में

लाये।

प्रश्न 3 :- सम्राट महापद्म नंद के मंत्री का क्या नाम था ?

उत्तर :- सम्राट महापद्म नंद के मंत्री का नाम शकटार था।

प्रश्न 4 :- शेर किस धातु से बना था ?

उत्तर :- शेर सीसा धातु से बना था।

प्रश्न 5 :- शेर को पिंजरे से निकालने वाला किशोर बड़ा होकर किस नाम से प्रसिद्ध हुआ ?

उत्तर :- शेर को पिंजरे से निकालने वाला किशोर बड़ा होकर सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य नाम से प्रसिद्ध हुआ ।

प्रश्न 6 :- पिंजरा किस धातु से बना था ?

उत्तर :-   पिंजरा लोहे की धातु से बना था।

****

6. चार-पाँच वाक्यों में प्रश्नों के उत्तर लिखें।

प्रश्न 1 :- रोम के राजदूत ने पिंजरे के शेर को बाहर निकालने की क्या शर्तें बतायीं ?

उत्तर :- रोम के राजदूत ने पिंजरे के शेर को बाहर निकालने की शर्तें बतायीं :-

1. शेर को निकालने के लिए न पिंजरा खोल सकते हैं।

2. शेर को निकालने के लिए न पिंजरा काट सकते हैं।

3. पिंजरे को खोले या तोड़े बगैर ही शेर को पिंजरे से बाहर निकालना है।

प्रश्न 2 :- पिंजरे के शेर के चारों ओर आग लगती देख सभा में सन्नाटा क्यों छा गया ?

उत्तर :- पिंजरे के शेर के चारों ओर आग लगती देख सभा में सन्नाटा इसलिए छा गया क्योंकि सभा में मौजूद सभी लोग हैरानी से यह देख रहे थे कि शेर पिंजरे से बाहर कैसे निकलेगा ?

प्रश्न 3 :- चन्द्रगुप्त ने पिंजरे के शेर को कैसे बाहर निकाला ?

उत्तर :- चन्द्रगुप्त ने पिंजरे के पिंजरे के चारों और आग लगा दी। शेर सीसा धातु का बना हुआ था। आग की गर्मी से शेर पिघलने लगा। सीसा धातु का बना पिंजरे का शेर पिघलकर धरती पर फैल गया। इस तरह चन्द्रगुप्त ने शेर को पिंजरे से बाहर निकाल दिया।

****

7. लिंग बदलो			
1	सम्राट - सम्राज्ञी	4	शेर - शेरनी
2	महाराज - महारानी	5	नौकर - नौकरानी
3	किशोर - किशोरी	6	राजा - रानी

****

8. वचन बदलो			
1	पिंजरा - पिंजरे	4	सभा - सभाएँ
2	मूर्ति - मूर्तियाँ	5	यह - ये
3	बूँद - बूँदें	6	मन्दिर - मन्दिरों

****

9. विपरीतार्थक शब्द लिखें।			
1	पुराना - नया	3	अनेक - एक
2	असफल - सफल	4	धरती - आकाश

****

10. शुद्ध करके लिखें।			
1	शकतीशाली - शक्तिशाली	4	बहूमूलय - बहुमूल्य
2	घोषना - घोषणा	5	पुरसकार - पुरस्कार
3	सूदरिढ़ - सुदृढ़	6	मरितयु - मृत्यु

****

प्रश्न -11.उचित विराम चिह्न लगाओ।

क) किशोर ने मुस्कुराते हुए कहा वह देखिए महामंत्री

उत्तर :- किशोर ने मुस्कुराते हुए कहा, "वह देखिए , महामंत्री।"

ख) शेर को कौन बाहर निकाल सकता है सहसा सम्राट ने गुस्से में कहा

उत्तर :- " शेर को कौन बाहर निकाल सकता है ?" सहसा सम्राट ने गुस्से में कहा।

ग) किशोर ने सिर झुकाकर कहा महाराज शेर पिंजरे से बाहर आ गया है

उत्तर :- किशोर ने सिर झुकाकर कहा, "महाराज ! शेर पिंजरे से बाहर आ गया है।"

****

12. शब्द के आगे लिखो, यह कौन सी संज्ञा है

शब्द		संज्ञा
1	शेर	जातिवाचक संज्ञा
2	लज्जा	भाववाचक संज्ञा
3	गर्मी	भाववाचक संज्ञा
4	किशोर	जातिवाचक संज्ञा
5	पानी	जातिवाचक संज्ञा
6	शकटार	व्यक्तिवाचक संज्ञा
7	गुस्सा	भाववाचक संज्ञा
8	दूत	जातिवाचक संज्ञा
9	मन्दिर	जातिवाचक संज्ञा

13. नीचे दी गई जातिवाचक संज्ञा से संबंधित व्यक्तिवाचक संज्ञा लिखें :-

1.राज्य (जातिवाचक संज्ञा)

मगध

पंजाब

2. राजा (जातिवाचक संज्ञा)

सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य

सम्राट अशोक

******

3. लड़का (जातिवाचक संज्ञा)

मोहन गौरव

4. देश (जातिवाचक संज्ञा)

भारत अमेरिका

बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर			
1.पिंजरा किस धातु का बना था ?			
क) सोने	ख) चाँदी	ग) लोहे	घ) ताँबे
उत्तर :- ग) लोहे।			

****

2. शेर किस धातु का बना था ?			
क) लोहे	ख) सीसा	ग) ताँबे	घ) चाँदी
उत्तर :- ख) सीसा।			

3. नीचे दिए शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द चुनें।

क) किशोर ख) गर्मी ग) शेर घ) पानी

उत्तर :- ख) गर्मी।

4. नीचे दिए शब्दों से संज्ञा शब्द चुनें।

क) रोम ख) हम ग) किया घ) है

उत्तर :- क) रोम।

5. नीचे दिए शब्दों में से 'पुराना' शब्द का सही विपरीत शब्द चुनें।

क) पुरानी ख) प्राचीन ग) नया घ) नूतन

उत्तर :- ग) नया।

****

6. नीचे दिए गए शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनें।

क) सक्तिसाली ख) शक्तिशाली ग) शकतीशाली घ) शकतिशाली

उत्तर :- ख) शक्तिशाली।

****

7. नीचे दिए गए शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनें।

क) मरितयू ख) म्रृतयु ग) मृत्यु घ) मरीत्यु

उत्तर :- ग) मृत्यु।

****

8. नीचे दिए गए शब्दों में से 'पिंजरा' शब्द का उचित बहुवचन शब्द चुनें।
क) पिंजरा ख) पींजरे ग) पिंजरे घ) पींजरा
उत्तर :- ग) पिंजरे।

****

9. नीचे दिए गए शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनें।
क) गोसणा ख) घोषणा ग) घोसणा घ) घोशणा
उत्तर :- ख) घोषणा।

****

सौजन्य :- सुनीता चोपड़ा, हिंदी शिक्षिका

स.क.सी.से.स्मार्ट स्कूल खुर्दपुर, जालंधर।

मार्गदर्शक व सहयोगी :- हरीश नागपाल

ज़िला रिसोर्स पर्सन हिंदी

हिंदी शिक्षक

सरकारी हाई स्कूल निज्जरां, जालंधर।